महत्वपूर्ण एवं खास

फिर हो सकती है बेमौसम बारिश, आज शाम से बदलेगा मौसम

रायपुर (आरएनएस)। उत्तर छत्तीसगढ़ में उत्तर-पूर्व तथा दक्षिण छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम से हवाओं का आगमन शुरू हो गया है। इसके कारण प्रदेश में 21 से 23 जनवरी तक न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की सम्भावना है। वहीं 22 जनवरी तक अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की सम्भावना है। इसके बाद प्रदेश में बादल छाने और वर्षा का दौर प्रारंभ होने के कारण अधिकतम तापमान में सार्थक गिरावट होने की सम्भावना है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 22 जनवरी को शाम या रात्रि में सरगुजा संभाग और उससे लगे बिलासपुर संभाग के जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। साथ ही गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की सम्भावना है। 23 जनवरी को सरगुजा और बिलासपुर सम्भाग में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। वहीं एक-दो स्थानों में गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि भी हो सकती है। दुर्ग और रायपुर संभाग के उत्तर में स्थित जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। दुर्ग और रायपुर संभाग के शेष भाग तथा बस्तर संभाग के उत्तरी भाग में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 24 जनवरी को सरगुजा और बस्तर संभाग तथा इनसे लगे जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है।

सोना तस्करी मामले में गिरफ्तार आरोपी 14 दिन के न्यायिक रिमांड पर गया जेल

रायपुर (आरएनएस)। राजस्व आसूचना निदेशालय रायपुर (डीआरआई) और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने एक अंतरराष्ट्रीय तस्कर को तकरीबन 1.65 करोड़ के सोने के बिस्किट के साथ रायपुर रेलवे स्टेशन से हिरासत में लिया है। कोर्ट ने आरोपी अनिल नारायण को 14 दिन के न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। घटना मंगलवार शाम 8 बजे की बताई जा रही है। आरोपी गाड़ी संख्या 12262 हावड़ा-सीएसटीएम दुरंतो एक्सप्रेस से नागपुर जा रहा था। आरोपी रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर ट्रेन के एच 1 कोच से नीचे उतरकर भागने लगा। ट्रेन में तस्कर के होने की जानकारी मिलने पर डीआरआई और आरपीएफ की टीम प्लेटफ र्म नंबर-1 पर तैनात थी। मुखबिर के बताए हुलिया के आधार पर आरोपी को आरपीएफ की टीम ने धर दबोचा। आरोपी से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम अनिल नारायण रजाई बताया। आरोपी नागपुर के गांधीबाग इलाके के का रहने वाला है। आरोपी का रिजर्वेशन हावड़ा से नागपुर तक था।

मुख्यमंत्री से उद्योग मंत्री लखमा व कोंटा नगर पंचायत के उपाध्यक्ष ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से गुरूवार शाम को उनके निवास कार्यालय में उद्योग मंत्री कवासी लखमा के साथ आए कोंटा नगर पंचायत के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष जाकिर हुसैन ने सौजन्य मुलाक़ात की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोंटा नगर पंचायत का उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर हुसैन को शुभकामनाएं दीं।

ट्रैक्टर की ठोकर से बाइक सवार की मौत

कोरबा (आरएनएस)। कोतवाली क्षेत्र के मानिकपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम दादर में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मुड़ापार निवासी अनिल महंत अपनी बाइक में सवार होकर किसी कार्यवश गया था। इसी बीच ट्रैक्टर से ठोकर लगने पर उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर मानिकपुर पुलिस ने पंचनामा के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला कायम कर विवेचना कर रही है।

नदियों का तट हुआ हराभरा : 28 नदियों के तट पर लगाए गए 11 लाख पौधे

» हरीतिमा से आच्छादित और फल-फूल के पौधों से सुरभित होंगे नदी तट

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में गत वर्षा ऋतु के दौरान 'नदी तट वृक्षारोपण' कार्यक्रम के तहत 28 विभिन्न नदियों के तट पर लगभग 11 लाख पौधों का रोपण किया गया है। इसके रोपण से नदी तट के 978.785 हेक्टेयर रकबा हरीतिमा से आच्छादित और फल-फूल के पौधों से सुरभित होंगे, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा नदी तट रोपण का कार्य किया गया। इनका रोपण कैम्पा, मनरेगा तथा जिला खनिज न्यास निधि सहित नदी तट वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत किया गया है। नदी तट रोपण कार्यक्रम के तहत गत वर्ष के दौरान शामिल नदियों में इन्द्रावती नदी, शबरी नदी, चक्का बुक्का नदी, महानदी, पैरी नदी, केलो नदी, ईब नदी, जोंक नदी, हसदेव नदी, तान्दुला नदी, नारंगी नदी, भंवरडीह नदी, अटेम नदी, रेड़ नदी, सेमरखाड़ नदी, भूपका नदी तथा महान नदी शामिल है। इसके अलावा सेन्दुर नदी, बरन नदी, मोरन नदी, सूर्या नदी, कन्हर नदी, भैसुन नदी, पथेल नदी, उभय नदी, बनास नदी, ओदारी नदी तथा दूध नदी के तट पर वृक्षारोपण का कार्य शामिल हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि इनमें से इन्द्रावती नदी के तट पर 20 हेक्टेयर रकबा में 22 हजार पौधों, शबरी नदी तट के 5 हेक्टेयर रकबा में 5 हजार 500 पौधों, चक्का-बुक्का नदी तट के 5 हेक्टेयर रकबा में साढे पांच हजार पौधों तथा महानदी तट के 52 हेक्टेयर रकबा में 57 हजार 200 पौधों का रोपण हुआ है। इसी तरह पैरी नदी तट के 30 हेक्टेयर रकबा में 33 हजार पौधों, केलो नदी तट के 1.88 हेक्टेयर रकबा में 780 पौधों, ईब नदी तट के एक हेक्टेयर रकबा में 200 पौधों, जोंक नदी तट के 40 हेक्टेयर रकबा में 44 हजार पौधों तथा हसदेव नदी तट के 42 हेक्टेयर रकबा में 46 हजार 200 पौधों का रोपण किया गया है।

तान्दुला नदी तट के 30 हेक्टेयर रकबा में 33 हजार पौधों, नारंगी नदी तट के 44 हेक्टेयर रकबा में 48 हजार 671 पौधों, भंवरडीह नदी तट के 27 हेक्टेयर रकबा में 29 हजार पौधों, अटेम नदी तट के 20 हेक्टेयर रकबा में 22 हजार पौधों तथा रेड़ नदी तट के 150 हेक्टेयर रकबा में एक लाख 65 हजार पौधों का रोपण हुआ है। सेमरखाड़ नदी के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों, भूपका नदी तट के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों, महान नदी तट के 70 हेक्टेयर रकबा में 77 हजार पौधों तथा सेन्दुर नदी तट के 135 हेक्टेयर रकबा में एक लाख 49 हजार पौधों का रोपण किया गया है।

इसके अलावा बरन नदी तट के 35 हेक्टेयर रकबा में 38 हजार 500 पौधों, मोरन नदी तट के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों तथा सूर्या नदी तट के 10 हेक्टेयर रकबा में 11 हजार पौधों का रोपण हुआ है। इसी तरह कन्हर नदी तट के 10 हेक्टेयर रकबा में 11 हजार पौधों, भैसुन नदी तट के 30 हेक्टेयर रकबा में 33 हजार पौधों, पथेल नदी तट के 10 हेक्टेयर रकबा में 11 हजार पौधों, उभय नदी तट के 10 हेक्टेयर में 11 हजार पौधों, बनास नदी तट के 70 हेक्टेयर रकबा में 77 हजार पौधों, ओदारी नदी तट के 25 हेक्टेयर रकबा में 27 हजार 500 पौधों तथा दूध नदी तट के एक हेक्टेयर रकबा में 830 पौधों का रोपण किया गया है।

मंदिर से प्रसाद लेकर लौट रही बच्ची से दरिंदों ने किया गैंगरेप, चारो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

बिलासपुर (आरएनएस)। तोरवा थाना क्षेत्र में 13 साल की बच्ची से गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। बच्ची गुरुवार की शाम सांई मंदिर से प्रसाद लेकर लौट रही थी। तभी रास्ते में चार युवकों ने उसका अपहरण कर लिया। दो युवक रखवाली करते रहे और दो युवकों ने उसके साथ रेप किया है।जानकारी के मुताबिक तोरवा क्षेत्र की 13 साल की बच्ची पांचवी कक्षा तक पढ़ी है, और अब पढ़ाई छोड़कर घरेलु काम करती है। गुरुवार की शाम करीब 6.30 बजे वह अपने घरवालों को बताकर मोहल्ले से कुछ दूर सांई मंदिर गई थी। मंदिर से प्रसाद लेकर लौटते समय चार युवकों ने उसे जबरदस्ती रोक लिया। फिर पकड़कर उसे पैदल खेत तरफ सूनसान जगह में ले गए। इस दौरान 2 युवक रखवाली कर रहे थे और दो युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।वारदात को अंजाम देकर आरोपी युवक भाग निकले थे। इधर, बच्ची के घर नहीं आने से परेशान होकर उसके पिता व परिजन तलाश कर रहे थे। तभी रात करीब 9.30 बजे उन्होंने बच्ची को आते देखा। बच्ची ने आपबीती बताई, तब उसे लेकर परिजन थाना पहुंच गए।पुलिस ने बच्ची से पूछताछ की, तब पूरी घटना की जानकारी दी। बच्ची युवकों को पहचानती थी। लिहाजा, पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में देर नहीं लगी। रात में ही अपराध दर्ज कर पुलिस ने आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर उनके घरों पर नजर रखने लगी। पुलिस ने आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

वर्मी कम्पोस्ट और सब्जी उत्पादन से सबल हो रहे महिला समूह

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार की सुराजी गांव योजना के तहत बने गौठान और गोधन न्याय योजना से गांवों में रोजगार और स्वावलंबन का नया आधार विकसित हुआ है। गौठानों में पशुधन के देखरेख, चारे-पानी का निःशुल्क प्रबंधन के साथ-साथ गोबर की खरीदी से महिला समूहों को वहां सहजता से रोजगार मिलने लगा है। महिला समूह गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के साथ ही आय की अन्य गतिविधियों को अपनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं।

कोरबा जिले के पाली विकासखण्ड के ग्राम सेन्द्रीपाली गौठान से जुड़ी महामाया महिला स्व-सहायता समूह और पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम महोरा भावर गौठान की सांई स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने वर्मी खाद के उत्पादन और सब्जी की खेती कर अच्छी-खासी आय अर्जित करने लगी हैं।

महामाया महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती राजकुमारी कोराम ने बताया कि उनके समूह से कुल 13 महिलाएं जुड़ी हैं। वर्मी कम्पोस्ट एवं सब्जी के उत्पादन से समूह को एक लाख 58 हजार 630 रूपए का लाभ प्राप्त हो चुका है। समूह से जुड़ी महिलाओं इससे अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही अपने लिए पायल, अंगूठी व अन्य गहनों की भी खरीदी की है।

इसी तरह सांई स्व-सहायता समूह ने वर्मी खाद के उत्पादन से एक लाख 20 हजार रूपए तथा सब्जी की खेती कर एक लाख 10 हजार रूपए का मुनाफा अर्जित किया है। वर्मी के उत्पादन के लिए उन्हें प्रशिक्षण और शासन की ओर से रिवाल्विंगफंड के रूपये 20-20 हजार रूपए मिले थे, जिसका उपयोग उन्होंने सब्जी की खेती के लिए जुताई व बीज क्रय करने में किया। वर्मी कम्पोस्ट और सब्जी उत्पादन से हुए मुनाफे से प्रसन्न समूह की महिलाएं अब इस काम को बढ़ाने में जुटी हैं। महिलाओं का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार के गौठान और गोधन न्याय योजना से उन्हें संबल मिला है। उनके जीवन में नया बदलाव आया है।

राजपथ पर इस बार छत्तीसगढ़ गोधन योजना की झांकी

» गोधन योजना : खुशहाली का नया रास्ता

रायपुर (आरएनएस)। प्रस्तुत झांकी छत्तीसगढ़ की गोधन योजना पर केंद्रित है। ग्रामीण संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से एक साथ अनेक वैश्विक चिंताओं के समाधानों के लिए यह झांकी विकल्प प्रस्तुत करती है।

झांकी के अग्रभाग में गाय के गोबर को इकट्ठा करके उन्हें विक्रय के लिए गौठानों के संग्रहण केंद्रों की ओर ले जाती ग्रामीण महिलाओं को दर्शाया गया है। ये महिलाएं पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में हैं। उन्होंने हाथों से बने कपड़े और गहने पहन रखे हैं। इन्हीं में से एक महिला को गोबर से उत्पाद तैयार कर विक्रय के लिए बाजार ले जाते दिखाया गया है। उनके चारों ओर सजे फूलों के गमले गोठानों में साग-सब्जियों और फूलों की खेती के प्रतीक हैं। नीचे के ओर गोबर से बने दीयों की सजावट है। ये दीये ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आए स्वावलंबन और आत्मविश्वास के प्रतीक हैं।

झांकी के पृष्ठ भाग में गौठानों को रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क के रूप में विकसित होते दिखाया गया है। नयी तकनीकों और मशीनों का उपयोग करके महिलाएं स्वयं की उद्यमिता का विकास कर रही हैं। वे गांवों में छोटे-छोटे उद्योग संचालित कर रही हैं। मध्य भाग में दिखाया गया है कि गाय को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र में रखकर किस तरह पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, पोषण, रोजगार और आय में बढ़ोतरी के लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। सबसे आखिर में चित्रकारी करती हुई ग्रामीण महिला पारंपरिक शिल्प और कलाओं के विकास की प्रतीक है। झांकी में भित्ती-चित्र शैली में विकसित हो रही जल प्रबंधन प्रणालियों, बढ़ती उत्पादकता और खुशहाल किसान को दिखाया गया है। इसी क्रम में गोबर से बनी वस्तुएं और गोबर से वर्मी कंपोस्ट तैयार करती स्व सहायता समूहों की महिलाओं को दिखाया गया है।

एसडीएम कार्यालय के पास किसान का शव मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

जांजगीर (आरएनएस)। जिले के डभरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एसडीएम कार्यालय के पास एक किसान का शव सड़क किनारे मिला है। किसान गुरुवार को बाजार जाने के लिए घर से निकला था। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। किसान की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। जानकारी के मुताबिक, झनकपुर का रहने वाला किसान दिनेश मनहर 42 वर्ष पुत्र रामप्रसाद 20 जनवरी की सुबह करीब 11 बजे प्याज बेचने के लिए जवाली बाजार गया था। इसके बाद घर नहीं लौटा। परिजन देर रात तक उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। सुबह लोगों ने खोंधर मोड़ पर सैलून के पास शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मौत का कारण रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। किसान दिनेश मनहर की दो बेटियां हैं। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है।

कटघोरा-जेन्जरा बायपास पर भीषण सड़क दुर्घटना- बाइक सवारो को भारी वाहन ने कुचला, दो की मौके पर ही मौत

» दो अन्य गंभीर रूप से घायल... एक रिफर

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा थाने इलाके में एक हफ्ते के भीतर दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि ढेलवाडीह-कटघोरा बाईपास के बीच स्थिर पतरापाली के निकट किसी अज्ञात भारी वाहन ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया. बाइक पर चार युवक सवार थे. जानकारी के अनुसार दो युवको की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक घायल युवक को गम्भीर अवस्था मे बेहतर इलाज के लिए कोरबा रिफर किया गया है. एक अन्य घायल कटघोरा सीएचसी में दाखिल है. रिफर किये गए जख्मी युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है. दोनों मृतक अजय कंवर (38) व रोहित श्रोते (19) और घायल जयदीप कंवर (30) एवम रामगोपाल कंवर। उर्फ छोटू (29) कटघोरा छिर्रा इलाके के बताए जा रहे है. मोटरसाइकिल सवारों को किस वाहन ने चपेट में लिया यह साफ नही हो सका है हालांकि क्षत-विक्षत शवो को देखकर भारी वाहन से दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है।

पिछले हफ्ते भी हुई थी मौतः- गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भी एक ट्रक की चपेट में आकर एक बाइक सवार की मौत हो गई थी. इस घटना के बाद भारी वाहनों के शहर प्रवेश को लेकर कटघोरा पुलिस को स्थानीय लोगों के नाराजगी का शिकार होना पड़ा था वही आज की घटना से फिर एक बार बेलगाम हो चुके वाहनों की रफ्तार व सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए है.

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा ने बताया कि हादसे की सूचना मिली है. घटना की जानकारी 112 को दी गई थी जिसके बाद सभी घायलों को अस्पताल लाया गया. दुर्घटनाकारित वाहन की जानकारी नही मिली है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक
आवश्यकता
इस संघ का गठन सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।
उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।
मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।
पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।
अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।
पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

मुख्यमंत्री ने कोरोना से मृत्यु के मामले में वृद्धि पर चिंता जताई

» स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को हर डेथ का आडिट करने के दिए निर्देश

» कलेक्टरों को संक्रमण की रोकथाम एवं संक्रमितों के ईलाज को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में अचानक कोरोना से पीड़ित लोगों की मृत्यु की संख्या में वृद्धि पर चिंता जताई है। कोरोना से गुरूवार को राज्य में 15 लोगों की मृत्यु होने की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को हर डेथ का आडिट करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को कोरोना संक्रमण की रोकथाम और संक्रमितों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराये जाने को भी कहा है। कोरोना संक्रमित मरीजों की स्वास्थ्यगत स्थिति को देखते हुए उन्हें हॉस्पिटलाइज करने के भी निर्देश दिए गए हैं। होम आईसोलेशन में रह रहे मरीजों के स्वास्थ्य की सतत निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने करोना संक्रमण एवं मृत्यु की स्थिति को देखते हुए राज्य की सभी जिला कलेक्टरों को भी इसे लेकर विशेष सतर्कता बरतने को निर्देश दिए हैं। कलेक्टरों को कोरोना गाइडलाईन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा होम आईसोलेशन वाले मरीजों की स्वास्थ्य की स्थिति पर सतत निगरानी के लिए विशेष प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए हैं।

पत्नी की हत्या कर पति ने लगाई फांसी

राजनांदगांव (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के धर्मनगरी डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र के निवासी एक युवक ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी है। ग्रामीणों से घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीओपी कृष्णा पटेल सहित मौके पर थाना प्रभारी पहुंचे हुए हैं और मामले की जांच जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, मजदूरी का काम करने वाले महेश वर्मा अपनी पत्नी और परिवार के साथ ठाकुर टोला में रहता था। आज सुबह उसकी लाश गांव से 15 किलोमीटर दूर डोंगरगढ़ थाना के ग्राम अछोली में मिली है। साथ ही शव के पास मृतक की मोटरसाइकिल भी खड़ी मिली है।पुलिस आशंका जता रही है कि, युवक ने अपनी दो पहिया वाहन से पत्नी के साथ आया होगा। इसके बाद पत्नी की हत्या की और फिर खुद भी पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी । फिलहाल घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीओपी कृष्णा पटेल सहित डोंगरगढ़ थाना प्रभारी मौके पर है और इस मामले की जांच में जुट गई है।